(b) the details of Central Assistance provided so far; and

(c) the details of its utilisation as on date?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF POWER (SHRIMATI URMILABEN CHIMANBHAI PATEL) (a) The details of energy requirement in the State of Assam during the current Five Year Plan (upto January, 96) are given below:

Year	Energy requirement (in Million Unit) (Net)
1992-93	2423.7
1993-94	2368.0
1994-95	2437.1
1995-96 (upto Jan. 96)	2373.4

(b) and (c) The Net Central Assistance provided to the State of Assam and the actual plan expenditure during the current Five Year Plan is as under:

(Rs. in crore)

Year	1992-93	1993-94	1994-95	1995-96
Net Central Assistance	754.73	846.36	863.89	948.61
@Actual Plan Expenditure	649.15	856.44	1042.82	1418.32*

*Approved Outlay.

@Acutal utilisation of Central Assistance is not available separately.

बैंकों का ऋण-जमा अनुपात

84. **श्री गोपाल सिंह जी सोलंकी:** क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) 30 जून, 1995 की स्थिति के अनुसार गुजरात में अनुसूचित और अधिसूचित वाणिज्यिक बैंकों का जिला-वार औसत ऋण-जमा अनुपात कितना था;

(ख) इसका गत तीन वर्षों का जिला-वार और वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या यह अनुपात राष्ट्रीय औसत से बहुत कम है;

(घ) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ङ) ऋण-जमा अनुपात में असन्तुलन को समाप्त करने के लिए क्या कदम उठाये गये हैं?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० देवी प्रसाद पाल): (क) और (ख) वर्ष 1993, 1994 और 1995 के लिए जून के अन्त की स्थिति के अनुसार, गुजरात में सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों का जिला-वार ऋण जमा अनुपात विवरण में दिया गया है। नीचे देखिए)।

(ग) से (ङ) जून, 1995 के अंत की स्थिति के अनुसार गुजरात में सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के लिए ऋण-जमा अनुपात अखिल भारत स्तर पर 61.1 प्रतिशत की तुलना में 47.7 प्रतिशत था। गुजरात सहित उन राज्यों में जहां ऋण जमा अनुपात कम है, भारतीय रिजर्व बैंक ने संबंधित राज्यों के संयोजक बैंकों से कहा था कि वे ऋण जमा अनुपात बढ़ाने के लिए उपायों का पता लगाने हेतु राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (एसएलबी सी) की विशेष बैठक आयोजित करें। भारतीय रिजर्व बैंक ने सूचित किया है कि गुजरात की एसएलबीसी ने वर्ष 1993 में एक कार्यकारी समूह का गठन किया था जिसने इस समस्या का गहराई से अध्ययन किया। कार्यकारी समूह द्वारा की गई कुछ प्रमुख टिप्पणियां ये है कि राज्य से बाहर मंजूर की जा रही ऋण की राशि का गुजरात में उपयोग किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त कपड़ा उद्योग में विद्युत संकट और अभाव ने ऋण खपत क्षमता को प्रतिकूल ढंग से प्रभावित किया है जिस कारण राज्य में ऋण जमा अनुपात कम है। एसएलबीसी की बैठक में ऋण जमा अनुपात के स्तर की नियमित रूप से निगरानी की जाती है।

विवरण

सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के लिए गुजरात में जिला-वार ऋण-जमा अनुपात

(प्रतिशत में)

क्रम सं॰	जिला का नाम	30.6.93	30.6.94	30.6.95
1.	अहमदाबाद	57.2	52.9	67.5
2.	अमरेली	43.2	42.5	32.0
3.	बंसकंठा	47.2	47.6	45.1
4.	ब्रोच	83.5	66.1	85.0
5.	भावनगर	59.2	46.7	59.9
6.	दंगास	41.9	32.5	26.2
7.	गांधीनगर	86.0	58.2	41.3
8.	जामनगर	31.5	28.6	24.9
9.	जूनागढ़	35.1	32.9	30.3
10.	कच्छ	12.1	10.2	11.4
11.	खेडा	56.8	26.7	22.0
12.	मेहसाना	52.9	48.2	53.1
13.	पंच महल	62.2	62.8	71.5
14.	राजकोट	39.0	34.6	33.2
15.	सावरकंठा	46.3	50.6	53.6
16.	सूरत	40.6	39.8	53.6
17.	सुरेन्द्रनगर	44.0	41.4	38.8
18.	बड़ोदरा	75.6	63.6	64.9
19.	वलसाद	30.8	27.7	28.0

Power crisis in Northern States

85. SHRI S.S. SURJEWALA: Will the Minister of POWER be pleased to state:

(a) whether the Northern States including Haryana experienced a drastic power cut during this winter, if so, the reasons for the power cuts generally and in Haryana particularly;

(b) the steps Government have taken to obviate the current crisis and what is the forecast thereof; and

(c) the medium and long term measures being taken by Government in the States with special reference to Haryana to solve the problem of power shortage?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF POWER (SHRIMATI URMILABEN CHIMANBHAI PATEL): (a) During the winter months of November'95 to January'96 the energy shortage in the Northern Region ranged from 6% to 9%. Jammu and Kashmir